

## कार्य

\*प्रथम नियुक्ति के समय अचल सम्पत्ति का विवरण, बर्ष २०

1. अधिकारी/कर्मचारी का (पूरा) नाम तथा उस सेवा का नाम, जिसमें वह हो **मुख्य विई पवार**
2. वर्तमान धारित पद **संस्थापक शृङ्खला**
3. वर्तमान वेतन..... अगस्ती वेतनवृद्धि की तारीख.....

उस जिले, उप संभाग, तालुका तथा प्राप्ति का नाम तथा व्याप्रि संपत्ति स्थित हो	संपत्ति का नाम तथा व्याप्रि	गृह तथा अन्य भवन	भूमि	*वर्तमान मूल्य	यहि स्वयं के नाम पर न हो तो विवाहित हो कि वह किसके नाम पर धारित है और उसका शासकीय कर्मचारी से व्या संबंध है	उसे किस प्रकार अंजित किया गया	संपत्ति से वार्षिक आय	अभियुक्ति
(1)	(2)	(3)	(4)	(5)	(6)	(7)	(8)	
ओपाल	गृह	नहीं	३० लाख लगानी	इमप्र के नाम से	उपर व्याप्रीके पर अनुकूल व्या निजीन छिमा। अक्षय व्या निजीन पति रखे पत्नी की व्युक्ति ग्राम के जाधार पर छिमा। पिट्ठु ग्राम विकास पर दिसा आण व्या रखे और से लोग लेना भवन व्या निजीन छिमा।			

जहाँ लगा न हो काट दीजिए।

\*\* ऐसे मानसे में जहाँ मूल्य का सही-सही निर्धारण करना संभव न हो, वहाँ वर्तमान स्थिति के सन्दर्भ में लगाना मुश्य बदलाया जाए।

\*\*\* इसमें अल्पकालीन पट्टे भी सम्पादित हैं।

टिप्पणी : मध्यप्रदेश शासकीय सेवक (आचरण) नियम, 1959 के नियम 18(3) के अधीन प्रथम श्रेणी, द्वितीय श्रेणी तथा तृतीय श्रेणी सेवा के प्रत्येक सदस्य से यह अपेक्षित है कि वह सेवा में गहली नियुक्ति के समय और उसके बाद प्रत्येक बारह महीने को अधिक हो; परन्तु वह शोषण ५० भर कर प्रदूत करें और उसमें वह उनके स्वामित्व को तथा उसके हुए अंजित अध्यवा उसे विवाह में मिली या उसके अपने नाम पर या उसके परिवार के किसी सदस्य के नाम पर या किसी अन्य व्यक्ति के नाम पर पट्टे या बंधक पर उसके द्वारा धारित समस्त अचल सम्पत्ति के छोरे हैं।

हस्ताक्षर ..... २५.८.२०२१  
नाम **मुख्य विई पवार**  
पद **संस्थापक शृङ्खला**

मानविक विभाग, ओपाल

## प्रार्थना

प्रथम नियुक्ति के समय अवल सम्पत्ति का विवरण, वर्ष २०

1. अधिकारी/कर्मचारी का (पूरा) नाम तथा उस सेवा का नाम, जिसमें वह हो मीला (आवृत्त्यामान) 2. वर्तमान धारित पद सर्टि

3. वर्तमान वेतन ५०.२००/- अगली वेतनवृद्धि की तारीख ३०/७/२०२१

उस जिले, उप संचाग, तालुका तथा ग्राम का नाम, जिसमें संपत्ति स्थित है।	संपत्ति का नाम तथा और		गृह तथा अन्य भवन	भूमि	**वर्तमान मूल्य	यदि स्वयं के नाम पर न हो तो अवलाइये कि वह किसके नाम पर भारित है और उसका शासकीय कर्मचारी से क्या संबंध है	उसे किस प्रकार अर्जित किया गया ***खोद, पट्टा, बंधक, विरासत, भेट गा अन्य किसी प्रकार से तथा अर्बन की तारीख और जिससे अर्जित की गई हो उसका नाम तथा और	संपत्ति से वार्षिक आय	अभियुक्ति
(1)	(2)	(3)	(4)	(5)	(6)	(7)	(8)		
H-५/२२ काशगढ़ आगाल (मु.)	शृंग	-	लगभग 12लाख	स्त्री डिशनपटें आपत्तिमानी संखुरक्त नाम ५२	पैंडुका अन्धा				

जहाँ लागू न हो काट दीजिए।

\*\* ऐसे मामले में जहाँ मूल्य का सही-सही निर्धारण करना संभव न हो, वहाँ वर्तमान विवित के सम्बन्ध में लगभग मूल्य अवलाया जाए।

\*\*\* इसमें अल्पकालीन पट्टे भी सम्मिलित हैं।

टिप्पणी : मध्यप्रदेश शासकीय सेवक (आवरण) नियम, 1959 के नियम ३८(३) के अधीन प्रथम श्रेणी, द्वितीय श्रेणी सेवक के प्रत्येक सदस्य से यह अर्जित है कि घट सेवा में पहली नियुक्ति के समय और उसके बाद प्रत्येक बारह महीने की अवधि के पश्चात् यह योधणः पद भर कर प्रत्युत करें और उसमें वह उनके स्वामिल को तथा उसके द्वारा अर्जित अधिका उसे विरासत में मिली या उसके अपने नाम पर या उसके परिवार के किसी सदस्य के नाम पर या किसी अन्य छातित के नाम पर पट्टे या बंधक पर उसके द्वारा धारित समस्त अवल सम्पत्ति के भौति हैं।

हस्ताक्षर

*M. D.*

नाम मीला (आवृत्त्यामानी)

पद सर्टि

*R. K. D.**S. B.*

W. 229 - २०५१ अ. ७०० -

फार्म

२०२१

प्रदायन नियुक्ति के समय अवल सम्पत्ति का विवरण, वर्ष २०२।

१. अधिकारी/कर्मचारी का (पूरा) नाम तथा उस सेवा का नाम, जिसमें वह हो २५/८०८०/१०५।

२. वर्तमान धारित पद

२५६।

३. वर्तमान वेतन ₹ २०० + ६२०५ + अगली वेतनवृद्धि की तारीख २५/८०८०/२०२।

उस जिले, उप संभाग, तालुका तथा ग्राम का नाम, जिसमें संपत्ति स्थित है	संपत्ति का नाम तथा और		*वर्तमान मूल्य	यदि स्वयं के नाम पर न हो तो बतलाइये कि वह किसके नाम पर धारित है और उसका शासकीय कर्मचारी से क्या संबंध है	उसे किस प्रकार अर्जित किया गया	संपत्ति से वार्षिक आय	अभियुक्ति
(1)	(2)	(3)	(4)	(5)	(6)	(7)	(8)
२५/८०८०	२५११८० २५००८० २५८० २५१०८० २५८०८० २५८०८० २५८०८०	११८०	११८०	—	—	—	—

\* जांच लागू न हो काट दीजिए।

\*\* ऐसे सायले में जांच मूल्य का सही-सही निर्धारण करना संभव न हो, नहां वर्तमान स्थिति के सन्दर्भ में लगभग मूल्य बतलाया जाए।

\*\*\* इसमें अल्पकालीन पट्टे भी सम्मिलित हैं।

टिप्पणी : मध्यप्रदेश शासकीय सेवक (आवारण) नियम, 1959 के नियम 18(3) के अधीन प्रथम शेषी, द्वितीय शेषी तथा तृतीय शेषी सेवक के प्रत्येक लदाय से यह अनोखत है कि वह दोनों में एहतीनी नियुक्ति के समय और उसके बाद प्रत्येक बारह महीने को अवारि के प्रथम यह शेषी-पड़ भर कर प्रमुख कर्मचारी और उसमें वह उनके स्वामित्व को तथा उसके द्वारा अर्जित अधिकारों उसे विरासत में प्रिली या उसके अपने नाम पर या उसके परिवार के किसी गादस्य के नाम पर या किसी अन्य व्यक्ति के नाम पर पट्टे या बंधकर एवं उसके द्वारा धारित समयत अवल सम्पत्ति के ब्यौरे हैं।

इस्तावकर

नाम

पद

## फ्राम

\*प्रथम नियुक्ति के सभव अदल सम्पत्ति का विवरण, वर्ष २०

१. अधिकारी/कर्मचारी का (पूरा) नाम तथा उस सेवा का नाम, जिसमें वह हो कुमार चंद्र शिंदे पर्सनल नं३५..... २. वर्तमान भाइय पद स्टॉप ऑफिसर.....३. वर्तमान वंतन ५.०२.५५.२०..... अगली बेतान्मुद्दि की तारीख ५.०५.५५.२०२१....

उरजिले, उप सभाग, तालुका तथा ग्राम का नाम तथा और संपत्ति स्थित हो	तंपति का नाम तथा और गृह तथा अन्य भवन	भूमि	*वर्तमान मूल्य	यदि स्वयं के नाम पर न हो तो बतलाइये कि वह किसके नाम पर पर्याप्त है और उसका शारदीय कर्मचारी से ज्ञान संबंध है	उसे किस प्रकार अनित किया गया ***छोट पट्टा, बंधक, विरासत, भेट या अन्य किसी प्रकार से तथा अद्वितीय तारीख और जिससे अनित की गई हो उसका नाम तथा और	संपत्ति से बाहिक आय	अभि प्रति
(1)	(2)	(3)	(4)	(5)	(6)	(7)	(8)
—	—	—	३५०० रुपये	कुमार चंद्र शिंदे कुलदीप	१५००	५८८	—

\* जहाँ ताकि न हो काट दीविए।

\*\* ऐसे घास्ते में जांच मूल्य यह सही-सही निर्धारण करना संभव न हो, यहाँ वर्तमान स्थिति के मानदंड में सामान गूँज बतलाया जाए।

\*\*\* इसमें अल्पकालीन पट्टे भी सम्मिलित हैं।

टिप्पणी : पर्याप्त वासनीय सेवक (आदरण) नियम, १९५७ के नियम १८(३) के अधीन प्रथम लेणी, द्वितीय लेणी तथा तृतीय लेणी सेवक के प्रत्येक सदाचार से यह अनित है कि उन सेवकों में पहली नियुक्ति के समय और उनके भाइ प्रथम जाह भाइ की अवधि के चरणात् यह और १५०० रुपये भर कर अद्वितीय और उसमें यह उनके स्थानिक को साथ उसके द्वारा अनित अवश्य दाओ नियमित में निली या उनके २५ने वर्ष पर या उनके परिवार के सिसी सदाचार के नाम पर या किसी अन्य लाभिक के नाम पर भर्ते या भेदक या उनके द्वारा धीरत समस्त अदल सम्पत्ति के ऊपर है।

इसका दाता ..... १५०० रुपये २०/१/२१

दाता की नियमित वर्तमान वर्ष

पद ..... स्टॉप ऑफिसर

## फ्राम

\*प्रथम नियुक्ति के सभव अधल संघति का विवरण, वर्ष ३०

1. अधिकारी/कर्मचारी का (पूरा) नाम तथा उस सेवा का नाम, जिसमें वह हो गयी नियुक्ति मात्र वी पर है। ..... 2. वर्तमान भारत पद २५४३४५१ २५१

3. वर्तमान वेतन ५५६५५५.५५..... आगामी वेतनवृद्धि की तारीख ५३३३.२.०२.००

उप जिले, उप संभाग, तालुका तथा ग्राम का नाम, जिसमें संघति स्थित है	संघति का नाम तथा व्यौरी	ग्रह तथा अन्य भवन	पूर्ण	*वर्तमान मूल्य	यदि स्वयं के नाम पर न हो तो उत्तरायण के वह किसके नाम पर परिवर्तित है और उसका शासकीय कर्मचारी से व्या संघति है	इसे किस प्रकार अंजित किया गया	संघति से व्यौरीका आय	अभी प्रक्रिया
(1)	(2)	(3)	(4)	(5)	(6)	(7)	(8)	
123 वृले २५८- १६२७ ८४३४३४३०- मेन रोड इल्लू	८८८	१५०० ८००५०५०	६००००० ८००००००	८५०० पुरुष पति ५००००००	पुरुष पुरुष पति ५०००००००	पुरुष पुरुष से ५०००००००	—	—

जहां ताप न हो काट दीविए।

ऐसे मानसे में जारी मूल्य का जहां-सही विधाला करना संघति न हो, वहां वर्तमान नियुक्ति के सन्दर्भ में सांभागिक मूल्य उत्तरायण जाए।

इसमें अल्पकालीन पट्टे भी सम्पन्नित हैं।

टिप्पणी : मध्यप्रदेश शासकीय सेवक (आदायार) नियम, 1959 के नियम 18(3) के अप्रीन प्रथम लेणी, द्वितीय लेणी तथा तीसी लेणी में वह के प्रथमक सदस्य से यह अंजित है कि छह मीठे में पहली नियुक्ति के समय और उसके अद्य प्रथमक वाह महीने की भवानी के घरानां यह शोषण वा भर कर प्राप्तुत करे और उसमें वह उनके स्वाचित्य को तथा उनके द्वारा अंजित अद्या उसे विराजत में पिलौ या उसके अप्रीन नाम पर यह उसके परिवार के नियमी सदस्य के नाम पर यह किसी अप्य छान्ति के नाम पर पट्टे या खंडक पर उसके द्वारा अंजित समस्त अबल संघति दें भी रहे हैं।

हस्ताक्षर... Madhvji Pandeshji 20/01/2021

नाम नियुक्ति मात्र वी पर है।

पद २५४३४५१ २५१

(W) 229 - २५४३४५१ तो ८०२ -

फार्म

प्रधाम नियुक्ति के समय अन्वेषण सम्पत्ति का दिवारण, वर्ष २०२१

Form No. 21

1121

2021

1. अधिकारी/कर्मचारी का (पूरा) नाम तथा उस सेवा का नाम, जिसमें वह हो द्यन्देश्वर मिशन सिंहगढ़ : 2. वर्तमान पारित पद सहायक ग्रेड-I  
 3. वर्तमान वेतन. ₹ ५०५००/- ३० लाख रुपये की तारीख ०१.०७.२०२१

उस जिले, उप संभाग, तालुका, तथा ग्राम वा नाम, जिसमें सम्पत्ति स्थित है।	सम्पत्ति का नाम तथा और		*वर्तमान मूल्य	यह समय के नाम पर न हो तो बताइये कि वह किसके नाम पर भारी है और उसका शासकीय नाम चारों से क्या संबंध है।	उसे किस प्रकार अंजित किया गया	सम्पत्ति से वार्षिक आय	अभि एक्टि
(1)	(2)	(3)	(4)	(5)	(6)	(7)	(8)
जिला - सागर अमेदनगर तहसील वाडी कम्बंक ०७ सागर (मा. न्य.)	मकान	१०००वर्गफुट	१२लाख १२लाख	S.B.I. Bank. से लोन लेने के उपर्योगित किया गया था।	NIL		

जहाँ लागू न हो काट दीजिए।

\*\* ऐसे मानने में जाहाँ मूल्य का सहो-सही निश्चाल करना संभव न हो, यहाँ वर्तमान सम्पत्ति के संदर्भ में सामान्य मूल्य बताया जाए।

\*\*\* इसमें अल्पकरणीय पट्टे भी सम्मिलित हैं।

टिप्पणी : ग्रामप्रदेश शासकीय सेवक (आदान) नियम, 1959 के नियम १८(३) के अधीन प्रधाम लैण्ड, ट्रॉपीय बेणो तथा दूसी बेणी भेज के प्रत्येक दादम्ब में पहाड़ी नियुक्ति के समय और उसके बाद प्रत्येक बाहर यहाँने लौ अवधि के पश्चात् यह घोषणा पड़ भर कर छोड़ते हों और उसमें वह उनके स्वामित्व को तथा उसके द्वारा अंजित अग्राह दरों विराम में फिली या उसके अपने नाम पर या उसके अंतिम अवधि के नाम पर या किसी अन्य लाभित के नाम पर पट्टे या घोषणाएँ या उसके द्वारा अंजित समय अवल सम्पत्ति के नाम हों दें।

इसाधर... Singh  
20.01.2021  
ग्राम द्यन्देश्वर मिशन सिंहगढ़  
सहायक ग्रेड-I

W. 229 - २९५१ दो. ७८ -

कार्य

## प्रथम नियुक्ति के संभव अवधल सम्पत्ति का विवरण, वर्ष २०

१. अधिकारी/कर्मचारी का (पूरा) नाम तथा उस सेवा का नाम, जिसमें वह हो

२१६। ना ५२९। न

१७। ना ५२९। न  
१८। ना ५२९। न

२. वर्तमान पारित पद

३. वर्तमान वेतन ५०। २००। अगली वेतनवृद्धि की तारीख

पुल्ला॒ २०। २१

उस जिले, उप संभाग, तालुका तथा ग्राम का नाम, जिसमें संपत्ति स्थित हो	संपत्ति का नाम तथा व्यौरे	गृह तथा अन्य भवन	भूमि	**वर्तमान मूल्य	यदि स्वयं के नाम पर न हो तो बताइये कि वह किसके नाम पर धारित है और उसका शासकीय कर्मचारी से क्या संबंध है	उसे किस प्रकार अर्जित किया गया	संपत्ति से वार्षिक आय	अभियुक्त
(1)	(2)	(3)	(4)	(5)	(6)	(7)	(8)	
मोर्पाल	२८	x		५०,००,००० पाँचल ८२२९ ८० रुपये	८०००००० १०५२ पाँचल ८० रुपये	BDA १ २९५६। ई.	Nil	

जहां लागू न हो काट दीजिए।

\*\* ऐसे प्रावधाने में जहां मूल्य का सही-सही निर्धारण करना संभव न हो, वहां वर्तमान स्थिति के सन्दर्भ में लागपा मूल्य बताया जाए।

\*\*\* इसमें अल्पकालीन पट्टे भी सम्मिलित हैं।

टिप्पणी : प्रधानमंत्री शासकीय सेवक (आचरण) नियम, 1959 के नियम 18(3) के अधीन प्रथम श्रेणी, द्वितीय श्रेणी तथा तृतीय श्रेणी सेवा के प्रत्येक सदस्य से यह अरेक्षित है कि उन सेवा में पहली नियुक्ति के समय और उसके बाद प्रत्येक बारह महीने की अवधि के परामर्श याह घोषणा पर भर कर प्रत्युत करें और उसमें वह उनके स्वाधिक की तथा उसके द्वारा अर्जित अधवा उत्तरित में मिली या उसके अपने नाम पर या उसके परिवार के किसी सदस्य के नाम पर या किसी अन्य व्यक्ति के नाम पर पट्टे या बंधकों पर उसके द्वारा धारित सभस्त्र अन्य सम्पत्ति के बीचे हैं।

हस्ताक्षर

६०  
२०।०१।२१

नाम

२१६। ना ५२९। न

पद

५. उ. I

W. 229 - २९५६। ई. - ७८ -

ग्राम

## ‘प्रथम नियुक्ति के संघर्ष मध्यवर्ती सम्पत्ति का विवरण, वर्ष २०

१. अधिकारी/कर्मचारी का (पूरा) नाम उस उसका का नाम, जिसमें वह हो ..... ३२ श्रीहंसोम .....

२. वर्तमान भारित पद ३० ग्रु १

३. वर्तमान वेतन ५०८००

अगली बेतनन्वृद्धि की तारीख

३० अक्टूबर २०२१

उस जिले, उस संभाग, तालुका उसका प्रामाण का नाम, जिसमें संपत्ति स्थित हो	संपत्ति का नाम उसका स्थान	उसका अन्य भवन	भूमि	*वर्तमान मूल्य	यदि संघर्ष के नाम पर न हो तो उत्तराखण्ड कि वह किसके नाम पर भारित है और उसका शासकीय कानूनों से क्या संबंध है	उसे किस प्रकार अंजित किया गया	संपत्ति से वार्षिक आय	अधि. प्रक्रिया
(1)	(2)	(3)	(4)	(5)	(6)	(7)	(8)	
ग्राम+पोस्ट घट्टाबा उड़ कट्टिसाठ गिला- आलीबाग्गुर	८८२	-	-	100000 १००००० लैकलौग प्लै पी ८८ क्रप	स्वामी पुरी तालं घट्टाबा गिला	NIL	NIL	

जहाँ आय में हो काट दीजिए।

ऐसे साफ्टने में जाग मूल्य का सहो-सही निर्धारण करना संघर्ष न हो, यह वर्तमान विधि के सन्दर्भ में साधारा मूल्य ज्ञात कराया जाए।

इसमें अधिकारीका पदरे भी सम्बिलित है।

टिप्पणी : गणपात्रा शासकीय संवेदन (आधारण) विषय, १९५९ के विषय १८(३) के अधीन प्रधान देशी, द्वितीय देशी तथा दूसरे देशी भूमि के प्रधान सदस्य से यह अनोखा है कि उड़ सेवा में पहली नियुक्ति के समान और उसके बाद प्रधान द्वारा भूमि को भवाइये में बदलाए मह शोषण एवं भा का आकृत को भी उसमें वह उनके स्वामीन को उसके द्वारा अंजित अदान द्वारा विवासन में भित्ती द्वा उसके उपरे नाम पर यह उनके पीछावार के किसी सदस्य के नाम पर यह किसी अन्य लाभित के नाम पर पटट या चेपक या उसके द्वारा भूरिता समस्त अवसर सम्पत्ति के भीतर है।

इताहर

उप ३२ श्रीहंसोम

पद ३० ग्रु १

W. 229 - (पार्ट) झो. नं. ८८ -

प्रार्थना

प्रधान नियुक्ति के समय अचल सम्पत्ति का विवरण, वर्ष २०२१

१. आपका नाम/कर्मचारी का (भूमि) नाम तथा उस सेवा का नाम, जिसमें यह हो भागीश शर्वकामल

२. वर्तमान पारिश पद महापंडु डॉड-१

३. वर्तमान वेतन, रुपये ५५५७.००/- आठवीं बैतन्यादि को तारीख ०१/०७/२१

उस जिले, उप संभाग, तालuk तथा प्रामाणी नाम, जिसमें संपत्ति स्थित है।	संपत्ति का नाम तथा व्यापे		यह स्वयं के नाम पर न हो तो बतलाइये कि वह किसके नाम एवं पारित है और उसका शासकीय कर्मचारी से व्याप संबंध है	उसे किस प्रकार अंजित किया गया	संपत्ति से वार्षिक आय	आम गुणि	
(1)	(2)	(3)	(4)	(5)	(6)	(7)	(8)

जहाँ साम न हो काट दीजिए।

ऐसे भागों में जहाँ मूल्य ज्ञात सही निर्धारण करना चाहिए तो, वहाँ वर्तमान विधि के सम्बन्ध में लाभग मूल्य अनुलेप्य जाए।

इनपे अल्पकर्त्तान यदृच्छा भी सम्भवित है।

टिप्पणी : मध्यप्रदेश शासनीय सेवक (आवाग) नियम, १९५७ के नियम १८(३) के अधीन प्रधान केन्द्रीय विधायिका सेवा के प्रत्येक सदस्य से यह  
अपेक्षित है कि वह सेवा में पहली नियुक्ति के समय और उसके बाद प्रत्येक बात मर्हीने की खात्री के प्रवाह यह गोपना भव भाजार अमुक हो और  
उसमें यह उपलेख स्थानिक वह तथा उसके द्वाये अंजित अधिकारी उस विवासन में निली या उसके अपने नाम एवं या उसके परिवार के किसी सदस्य के नाम  
एवं यह किसी अन्य लाभिक के नाम न घटें या बंधक या उसमें द्वाये भावित समस्त अचल सम्पत्ति के अद्वैत हों।

इसका.....  
*A.C.M.*

नाम भागीश शर्वकामल

पद महापंडु डॉड-१

संभाठीय कायाला मा. जि. १०

म०८८८ ३५८१७ पा. ७५

## फार्म

\*प्रथम नियुक्ति के समय अचल सम्पत्ति का विवरण, वर्ष २०२१

1. अधिकारी/कर्मचारी का (पूरा) नाम तथा उस सेवा का नाम, जिसमें वह हो : अमित चौधरी और अंजना 2. वर्तमान थारित पद : रजिस्टर ऑफिसर
3. वर्तमान वेतन ... 50200/- अगली वेतनवृद्धि की तारीख ..... जून 2021

उस जिले, उप संभाग, तालुका तथा ग्राम का नाम, जिसमें संपत्ति स्थित हो	संपत्ति का नाम तथा व्यौरे	गदि स्वयं के नाम पर न हो तो बतलाइये कि वह किसके नाम पर थारित है और उसका शासकीय कर्मचारी से क्या संबंध है	उसे किस प्रकार अंजित किया गया	संपत्ति से वार्षिक आय	अभियुक्ति		
(1)	(2)	(3)	(4)	(5)	(6)	(7)	(8)
32, खेती कर्मचारी वेतन भैंसल	गृह	-	समाप्त 50.00 लाख	परिवार के नाम पर	परिवार के नाम पर वर्ष २०१९ में देखा गया वर्तमान वेतनवृद्धि अंजना जून २०२१	परिवार के नाम पर वर्ष २०१९ में देखा गया वर्तमान वेतनवृद्धि अंजना जून २०२१	

\* जहाँ लागू न हो काट दीजिए।

\*\* ऐसे मामले में जहाँ मूल्य का सही-सही निर्धारण करना संभव न हो, वहाँ वर्तमान स्थिति के सन्दर्भ में लगभग मूल्य बतलाया जाए।

\*\*\* इसमें अल्पकालीन पट्टे भी सम्पन्नित हैं।

टिप्पणी : मध्यप्रदेश शासकीय सेवक (वाचरण) नियम, 1959 के नियम 18(3) के अधीन प्रथम ब्रेणी, द्वितीय ब्रेणी तथा तृतीय ब्रेणी सेवक के प्रत्येक सदस्य से यह अपेक्षित है कि उन्हें सेवा में घटली नियुक्ति के समय और उसके बाद प्रत्येक बारे महोने की अवधि के पश्चात् यह घोषणा पर भर कर प्रस्तुत करें और उसमें वह उनके स्वाक्षित की तथा उसके द्वारा अंजित अवधा उसे विरासत में भिली या उसके अपने नाम पर या उसके परिवार के किसी सदस्य के नाम पर या किसी अन्य लाक्षित के नाम पर पट्टे या बंधक पर उसके द्वारा थारित समस्त अचल सम्पत्ति के व्यौरे हैं।

हस्ताक्षर

नाम

पद

*अमित चौधरी*  
*अंजना*  
*रजिस्टर ऑफिसर*

W. 229 - २०१५न) डॉ ७८ -

१८ नवंबर  
२०२१

## फ्राम

## "प्रथम नियुक्ति के समय अधल सम्पत्ति का विवरण, भार्ग २०

१. अधिकारी/कर्मचारी का (पूरा) नाम तथा उस सेवा का नाम, जिसमें वह हो **सीठ रुल० २०१६-१७** १८३५ २. वर्तमान भारित पद **कृष्णांशु-I**
३. वर्तमान वेतन **५०२००** अगली वेतनवृद्धि की तारीख **जून २०२१**

उस जिले, उप संभाग, तालुका तथा ग्राम का नाम, जिसमें संपत्ति स्थित हो	संपत्ति का नाम तथा और		ग्रह तथा अन्य भवन	भूमि	**वर्तमान मूल्य	यदि स्वयं के नाम पर न हो तो बताइये कि वह किसके नाम पर भारित है और उसका शासकीय कर्मचारी से क्या संबंध है	उसे किस प्रकार अर्जित किया गया	संपत्ति से वार्षिक आय	अभियुक्ति
(1)	(2)	(3)	(4)	(5)	(6)	(7)	(8)		
गोपाल	गोपाल	गोपाल		२५,००,०००	निरेंद्र	निरेंद्र	निरेंद्र	निरेंद्र	निरेंद्र

\* जहाँ न हो काट दीजिए।  
\*\* ऐसे मामले में जांग मूल्य का सही-सही निर्धारण करना संभव न हो, तबां वर्तमान विधिति के मन्दर्भ में समग्र मूल्य बतलाया जाए।

\*\*\* इसमें अल्पकालीन पट्टे भी सम्प्लित हैं।  
टिप्पणी : मध्यप्रदेश शासकीय सेवक ('आचारण') नियम, 1959 के नियम 18(3) के अधीन प्रथम वेणी, द्वितीय तथा तृतीय वेणी सेवा के प्रत्येक सदस्य से यह अपेक्षित है कि वह सेवा में पहली नियुक्ति के समय और उसके बाद प्रत्येक बारह महीने की अवधि तेरे पश्चात् यह घोषणा-पत्र भर कर प्रस्तुत करें और उसमें वह उनके स्वामित्व की तथा उसके द्वारा अर्जित अधिक उसे विवाह में भिली या उसके अपने नाम पर या उसके परिवार के किसी सदस्य के नाम पर या किसी अन्य लालित के नाम पर पट्टे या बंधारों पर उसके द्वारा भारित समस्त अबल सम्पत्ति के ल्यौरे दें।

हस्ताक्षर

०१-२०/०१/०१

नाम **सीठ रुल० २०१६-१७**  
पद **कृष्णांशु-I**

पछलपुर पठाई गुजरात

पाठ विद्या नूर मुमाल

फार्म

प्रधम नियुक्ति के सभव अचल सम्पत्ति का विवरण, वर्ष २०

1. अधिकारी/कर्मचारी का (पूरा) नाम तथा उस सेवा का नाम, जिसमें वह हो श्रीमती मधुमेधान ..... 2. वर्तमान धारित पद विवरण विवरण २५/१२/७५ I3. वर्तमान वेतन 50260 + 6024 अंगतो वेतनवृद्धि की तारीख ११/१/२१

उस जिले, उप संभाग, तालुका तथा ग्राम का नाम, जिसमें संपत्ति स्थित हो	संपत्ति का नाम तथा व्यौरे	ग्रह तथा अन्य भवन	भूमि	* वर्तमान मूल्य	यदि स्वयं के नाम पर न हो तो बतलाइये कि वह किसके नाम पर भारित है और उसका शासकीय कर्मचारी से ज्या संबंध है	उसे किस प्रकार अर्जित किया गया	** खगोद, पट्टा, बंधक, विरासत, भेट या अन्य किसी प्रकार से तथा अर्जन की तारीख और जिससे अर्जित की गई हो उसका नाम तथा व्यौरा	संपत्ति से वार्षिक आय	अभियुक्त
(1)	(2)	(3)	(4)	(5)	(6)	(7)	(8)		
<u>पीनश्च लंबे</u> <u>लोखार रेड श्रीपाल</u>		<u>लाइ</u> <u>१५०० एकड़ी</u>	<u>१५,०००००</u> <u>प्रयोग के वर्ष</u>				<u>Nil</u>		

जहाँ सारा न हो काट दीजिए।

\*\* ऐसे मामले में जहाँ मूल्य का सही-सही निर्धारण करना संभव न हो, तब वर्तमान विधिति के सन्दर्भ में लगभग मूल्य बतलाया जाए।

\*\*\* इसमें अत्यधिकालीन फूटे भी सम्भवित हैं।

टिप्पणी : मध्यप्रदेश शासकीय सेवक (आचरण) विधम, 1959 के नियम 18(3) के अधीन प्रधम श्रेणी, द्वितीय श्रेणी तथा तृतीय श्रेणी सेवा के ग्रत्येक सदस्य से यह अपेक्षित है कि वह सेवा में पहली नियुक्ति के समय और उसके बाद प्रत्येक बारह महीने को अवधि के पश्चात् यह घोषणा पत्र भर कर प्रस्तुत करें और उसमें वह उनके स्वामित्व का तथा उसके द्वारा अर्जित अम्भवा उनमें विवाहित में लियी या उसके अन्दे नाम पर या उसके परिवार के किसी राजदूत के नाम पर या किसी अन्य व्यक्ति के नाम पर फूटे या बंधक के ए उसके द्वारा धारित सम्पत्ता अचल सम्पत्ति के ब्यौरे हैं।

हस्ताक्षर M. Mehta  
नाम महेश्वर महेश्वर  
पद

W. 229 - २९४५१) और ७८ -

## फ्राम

प्रथम नियुक्ति के समय अनल सम्पत्ति का विवरण, वर्ष २०

७०/१०२/३  
८१२१

1. अधिकारी/कर्मचारी का (पुरा) नाम तथा उस सेवा का नाम, जिसमें वह हो मुकुल राय कुमार ..... 2. वर्तमान धारित पद विधायक .....  
 3. वर्तमान वेतन ५५६.५० ..... अगली वेतनवृद्धि की तारीख १७/१२/१ .....

उस जिले, उप संभाग, तालुका तथा प्राम का नाम, जिसमें संपत्ति स्थित हो	संपत्ति का नाम तथा व्यौरे	गृह तथा अन्य भवन	भूमि	**वर्तमान मूल्य	यदि स्वयं के नाम पर न हो तो बतलाइये कि वह किसके नाम पर धारित है और उसका शासकीय कर्मचारी से क्या संबंध है	उसे किस प्रकार अंजित किया गया ***खरोद, पट्टा, बैधक, विरासत, भेट वा अन्य किसी प्रकार से तथा अंजित की तारीख और जिससे अंजित की गई हो उसका नाम तथा व्यौरा	संपत्ति से वार्षिक आय	अभियुक्ति
(1)	(2)	(3)	(4)	(5)	(6)	(7)	(8)	
<u>जबलपुर</u>	<u>मणि</u> <u>मणि</u>			<u>५५५५५</u> <u>१४०००००</u>	<u>त्रिपुरा</u> <u>नाम वा</u>	<u>स्वयं कुलाभव</u>	<u>५५५</u>	<u>५५५</u>

जहाँ लागू न हो काट दीजिए।

\*\* ऐसे मायदे में जहाँ मूल्य का सही-सही निर्धारण करना संभव न हो, वहाँ वर्तमान स्थिति के सन्दर्भ में लगभग मूल्य बतलाया जाए।

\*\*\* इसमें अल्पकालीन पट्टे भी सम्मिलित हैं।

टिप्पणी : सम्प्रदेश शासकीय सेवक (आचरण) नियम, 1959 के नियम 18(3) के अधीन प्रथम बेणो, द्वितीय बेणो तथा तृतीय ब्रेणी सेव के प्रत्येक सदस्य से यह अधिकारी है कि वह सेवा में पहली नियुक्ति के समय और उसके आद प्रत्येक बाहर मर्हाने का अवधि के पश्चात् यह घोषणा पत्र भर कर प्रस्तुत करें और उसमें वह उनके स्वतंत्रता को तथा उसके द्वारा अंजित अधिकार उसे विरासत में मिली या उसके अपने नाम पर या उसके परिवार के किसी सदस्य के नाम पर किसी अन्य व्यक्ति के नाम पर पट्टे या बेणक पर उसके द्वारा धारित समस्त अनल सम्पत्ति के व्यौरे हैं।

हस्ताक्षर

नाम मुकुल राय कुमारपद विधायक

विधायक वर्ष

W. 229 - २०५५१५० - ८८ -

## प्रार्थ

"प्रथम नियुक्ति के समय अचल सम्पत्ति का विवरण, वर्ष २०२१

५९८७३  
२८/१२

1. अधिकारी/कर्मचारी का (पूरा) नाम तथा उस सेवा का नाम, जिसमें वह हो गया नियुक्ति मिशनेशन स्टाफ 2. वर्तमान धारित पद स्टाफ प्रॉफेशनल अड्डा I
3. वर्तमान वेतन ... ५९०६४/- अगली वेतनवृद्धि की तारीख ... १ जुलाई ...

उस जिले, उप संभाग, तालुका तथा ग्राम का नाम, जिसमें संपत्ति स्थित हो	संपत्ति का नाम तथा व्यौरे	ग्रह तथा अन्य भवन	भूमि	*वर्तमान मूल्य	यदि स्वयं के नाम पर न हो तो बतलाइये कि वह किसके नाम पर धारित है और उसका शासकीय कर्मचारी से क्या संबंध है	उसे किस प्रकार अंजित किया गया ***खोद, पट्टा, बंधक, विरापत, भेट आ अन्य किसी प्रकार से तथा अजन की तारीख और जिससे अंजित की गई हो उसका नाम तथा व्यौरा	संपत्ति से वार्षिक आय	अभियुक्ति
(1)	(2)	(3)	(4)	(5)	(6)	(7)	(8)	
१ - भोपाल - नेंदू हुड़ी छंगली स्टेटमेंटी बोलर रोड - भोपाल	नेंदू	-	८००००००/- ८००००००/-	२०१५	२०१५ २०१६ के लिए- २२ खण्ड/वर्ष से २०१६ नियुक्ति लगाया गया । लगातार लगातार लगाया- ८०००००/- २५ लाख	८०००००/-		
२ - भोपाल - नेंदू हुड़ी कल्पना नगर भोपाल	नेंदू	-	८००००००/- १५ लाख	२०१५ २०१६ ले पहुंच दिया गया नियुक्ति - २०२१। लियुक्ति ८०००००/- बनते ही लियुक्ति ठारा - २०२१। लियुक्ति ९ लाख	८०००००/- १२ लाख			

जहां लागू न हो काट दीजिए।

\*\* ऐसे मामले में जहां मूल्य का सही-सही निर्धारण करना संभव न हो, वहां वर्तमान स्थिति के सन्दर्भ में लगातार मूल्य बतलाया जाए।

\*\*\* इसमें अल्पकालीन पट्टे भी सम्मिलित हैं।

टिप्पणी : मध्यप्रदेश शासकीय सेवक (आचरण) नियम, १९५९ के नियम १८(३) के अधीन प्रथम श्रेणी, द्वितीय श्रेणी तथा दूसरी श्रेणी सेवक के प्रत्येक सदस्य से यह अपेक्षित है कि वह सेवा में पहली नियुक्ति के समय और उसके बाद प्रत्येक छात्र गणने को अवश्य के पहचान यह पोषण पद भर कर प्रयत्न करे और उसमें वह उनके स्वामिल को तथा उसके द्वारा अंजित अथवा उसे विरापत में मिली या उसके अपने नाम पर या उसके परिवार के किसी सदस्य के नाम पर या किसी अन्य व्यक्ति के नाम पर पट्टे या बंधक पर उसके द्वारा धारित समस्त अचल सम्पत्ति के व्यौरे हैं।

हस्ताक्षर ... *M. J. Ahlu* .....

नाम अमिती अम्बलेश साह

पद स्टाफ प्रॉफेशनल अड्डा I

सचिव का निजी काल  
मालिक अम्बलेश साह

15/07/2021

W. 229 - २०५१ अे ७०० -

## फार्म

प्रथम नियुक्ति के समय अचल सम्पत्ति का विवरण, वर्ष २०२१।

१. अधिकारी/कर्मचारी का (पूरा) नाम तथा उस सेवा का नाम, जिसमें वह हो

सौभाग्य

२. वर्तमान भारित पद

सहाय्यक I

३. वर्तमान वेतन ५०,२००। — अगली वेतनवृद्धि की तारीख ३०/६/५

उस जिले, उप संभाग, तालुका तथा ग्राम का नाम, जिसमें संपत्ति स्थित हो	संपत्ति का नाम तथा व्यौर		*वर्तमान मूल्य	यदि स्वयं के नाम पर न हो तो नवलाइंगे कि वह किसके नाम पर भारित है और उसका शासकीय कर्मचारी से क्या संबंध है	उसे किस प्रकार अर्जित किया गया	संपत्ति से वार्षिक आय	अधियुक्ति
(1)	(2)	(3)	(4)	(5)	(6)	(7)	(8)
ग्राम वैजयंति जै० कृष्णगढ़ लहान दुर्घट ३०५०८	भैवन		लगाँचग ५००००० लाख	स्वयं के ००८	पति दो V.R.S. से भास्त्राशि एवं समुद्रजी से भास्त्र धन छंडु भूषा भास्त्र किम		

\* जहाँ लागू न हो काट देविए।

\*\* ऐसे मादले में जहाँ शूल्प का सही-सही निर्धारण करना संभव न हो, वहाँ वर्तमान दिव्यति के सन्दर्भ में लाभार्थ मूल्य बतलाया जाए।

\*\*\* इसमें अल्पकालीन पट्टे भी सम्मिलित हैं।

टिप्पणी : मध्यप्रदेश शासकीय सेवक (आचारण) नियम, 1959 के नियम १८(३) के अधीन प्रथम श्रेणी, द्वितीय श्रेणी तथा तृतीय श्रेणी सेवक के प्रत्येक तदस्य से यह अरोपित है जिस बहु सेवा में पहली नियुक्ति के समय और उसके आद प्रत्येक बाहु मर्हने की अवधि के पश्चात् यह पोषण-पत्र भर कर प्रस्तुत करें और उसमें वह उनके स्वामित्व को तथा उसके द्वारा अर्जित अम्भवा उसे विवरण में भिली वा उसके अपने नाम पर या उसके परिवार के किसी गादस्य के नाम पर या किसी अन्य अवित के नाम पर पट्टे या बंधक पा उसके द्वारा भारित समस्त अचल सम्पत्ति के ब्यौरे हैं।

इसाक्षर

नाम

पद

सौभाग्य

सहाय्यक I

W. 229 - २०५० रु ८०० -

## कार्य

प्रधम नियुक्ति के समय अचल संपत्ति का विवरण वर्ष २०२१

1. अधिकारी/कर्मचारी का (पूरा) नाम तथा उस सेवा का नाम, जिसमें वह हो **श्रीमती नेहा कुमारा नंदा** 2. वर्तमान पारित पद **सहाय्यक**

3. वर्तमान वेतन

50200/-

अगली वेतनवृद्धि की तारीख

भुवालै २०२१

उस जिले, उप संभाग, तालुका तथा ग्राम का नाम, जिसमें संपत्ति स्थित हो	संपत्ति का नाम तथा व्यौरे		वर्तमान मूल्य	यदि स्वयं के नाम पर न हो तो वरलाइंग कि वह किसके नाम पर भारित है और उसका शासकीय कर्मचारी से क्या संबंध है	उसे किस प्रकार अंजित किया गया ***खोद, पट्टा, बेघक, विरासत, भेट आ अन्य किसी प्रकार से तथा अजन की तारीख और जिससे अंजित की गई हो उसका नाम तथा व्यौरा	संपत्ति से वार्षिक आय	अभियुक्ति
(1)	(2)	(3)	(4)	(5)	(6)	(7)	(8)

जहां लागू न हो का दीजिए।

\*\*\* ऐसे मापदंड में जहां मूल्य का सहो-सही निर्धारण करना संभव न हो, वहां वर्तमान स्थिति के सन्दर्भ में लगाया मूल्य बतलाया जाए।

\*\*\* इसमें अल्पकालीन पट्टे भी सम्मिलित हैं।

टिप्पणी : मध्यप्रदेश शासकीय सेवक (आचरण) नियम, 1959 के नियम 38(3) के अधीन प्रधम श्रेणी, हिन्दी श्रेणी तथा रुमी श्रेणी सेव के प्रत्येक सदस्य से यह अरेक्षा है कि वह सेवा में गहली नियुक्ति के समय और उसके लाल विवेक बाहर महोने को अवधि के एक्चार्ट यह घोषणा भव भर प्रत्युत करे और उसमें वह उनके स्वार्द्धित्व को तथा उसके द्वारा अंजित अथवा उसे विरासत में मिलो या उसके अपने नाम पर या उसके परिवार के किसी सदस्य के नाम पर कि किसी अन्य जाति के नाम पर पट्टे या खंडक या उसके द्वारा घारित समस्त अचल संपत्ति के व्यौरे हैं।

हस्ताक्षर

Roh

नाम

श्रीमती नेहा कुमारा नंदा

पद

सहाय्यक -

W. 229 - २०५१ अे ७८ -

फार्म

प्रथम नियुक्ति के सभ्य अवल सम्पत्ति का विवरण, वर्ष २०२१

७१२२३  
५२१२१

१. अधिकारी/कर्मचारी का (पूरा) नाम तथा उस सेवा का नाम, जिसमें वह हो

सरला कुर्ले

२. वर्तमान धारित पद

सहायक ऑड - १

३. वर्तमान वेतन

R.८.८.४३३००/- अगली वेतनवृद्धि को तीखे

१ जुलाई २०२१

उस जिले, उप संभाग, तालुका तथा ग्राम का नाम, जिसमें संपत्ति स्थित हो	संपत्ति का नाम तथा और		यदि स्वयं के नाम पर न हो तो वर्तमान मूल्य	यदि स्वयं के नाम पर न हो तो वर्तमान मूल्य	उसे किस प्रकार अर्जित किया गया	संपत्ति से वार्षिक आय	अभियुक्ति
(1)	(2)	(3)	(4)	(5)	(6)	(7)	(8)
महिन्द्रा बीनबुड महिन्द्रा स्कॉर्हि फ्लैट नं. ८८/१०८ जाटखेड़ी छोशांगावाड़ रोड, भोपाल (मध्य)	फ्लैट	X	२२००	स्वयं के (बाख) नाम अनुमोदित	स्वयं की बकाए <sup>LIC, HFL</sup> से ब्रॉडला स्वयं PF द्वारा महिन्द्रा बिल्डर्स स्थूल डिवेलपमेंट्स से ब्रॉडला किया गया।	निल	

जहाँ लागू न हो काट दीजिए।

\*\* ऐसे मापदंड में जहाँ मूल्य का सही-सही निर्धारण करना संभव न हो, वहाँ वर्तमान स्थिति के सन्दर्भ में लगभग मूल्य बतलाया जाए।

हस्ताक्षर

\*\*\* इसमें अत्यधिकारीन पटटे भी सम्मिलित हैं।

टिप्पणी : मध्यप्रदेश शासकीय सेवक (आचरण) नियम, 1959 के नियम 18(3) के अधीन प्रधान ब्रेणी, द्वितीय ब्रेणी तथा तीसी ब्रेणी सेवक के प्रत्येक सदस्य से यह अपेक्षित है कि वह सेवा में यहाँ नियुक्ति के सभ्य और उसके बाद प्रत्येक बारह महाने को अवधि के परचार् यह घोषणा पत्र भर कर प्राप्तुन करें और उसमें वह उनके स्वाधित्व को तथा उसके द्वारा अर्जित अध्यया उसे विस्तृत में जिली या उसके अपने नाम पर या उसके परिवार के किसी सदस्य के नाम पर या किसी अन्य जाकित के नाम पर पटटे या बंधक या उसके द्वारा धारित समस्त अवल सम्पत्ति के ब्यारे दें।

नाम

पद

सरला कुर्ले  
स. श. १

W. 229 - २ (पाँच) अं. ८८ -

## फार्म

प्रथम नियुक्ति के समय अबल संपत्ति का विवरण, वर्ष २०

१०९६/१२३  
४५१२।१. अधिकारी/कर्मचारी का (पूरा) नाम तथा उस सेवा का नाम, जिसमें वह हो **(भिला संस्कृत)** २. वर्तमान घरेल पट **संघान्त्रे - I**३. वर्तमान वेतन **५०२००** अगली वेतनवृद्धि की तारीख **०१/०७/२०२१**

उस जिले, उप संभाग, तालुका तथा ग्राम का नाम, जिसमें संपत्ति स्थित हो	संपत्ति का नाम तथा व्यौरा		**वर्तमान मूल्य	यदि स्वयं के नाम पर न हो तो बतलाइये कि वह किसके नाम पर धारित है और उसका शासकीय कर्मचारी से क्या संबंध है	उसे किस प्रकार अंजित किया गया ***खोद, पट्टा, बंधक, विरासत, भेट या अन्य किसी प्रकार से तथा अर्जन की तारीख और जिससे अंजित की गई हो उसका नाम तथा व्यौरा	संपत्ति से वार्षिक आय	अभियुक्ति
(1)	(2)	(3)	(4)	(5)	(6)	(7)	(8)
NIL	NIL	NIL	—	—	—	—	—

जहां लाग न हो काट दीजिए।

\*\* ऐसे शायद हैं जहां मूल्य का सही-सही निर्धारण करना संभव न हो, भर्ह वर्तमान विवरिति के मन्दर्थ में लगभग मूल्य बतलाया जाए।

\*\*\* इसमें अल्पकालीन पट्टे भी सम्मिलित हैं।

टिप्पणी : साधारण शासकीय सेवक (आचरण) नियम, 1959 के नियम 18(3) के अधीन प्रथम श्रेणी, द्वितीय श्रेणी तथा तृतीय श्रेणी सेवा के प्रत्येक सदस्य से यह अपेक्षित है कि वह सेवा में पहली नियुक्ति के समय और उसके भाद प्रथमेक बारह महीने की अवधि के पश्चात् यह घोषणा पत्र भर कर प्रस्तुत करें और उसमें वह उनके स्थानिक वां तथा उसके द्वारा अंजित आवाजा उसे विरासत में विली या उसके अपने नाम पर या उसके परिवार के किसी सदस्य के नाम पर या किसी अन्य व्यक्ति के नाम पर पट्टे या बंधक पर उसके द्वारा धारित समस्त अबल संपत्ति के व्यौरे दें।

हस्ताक्षर *सिंह*नाम **भिला संस्कृत**पट **संघान्त्रे - I**

W. 229 - २९५१) अे ८० -

फ्रांस

११२१३

८

४२१/८

\*प्रथम नियुक्ति के समय अचल सम्पत्ति का विवरण, वर्ष २०

1. अधिकारी/कर्मचारी का (पूरा) नाम तथा उस सेवा का नाम, जिसमें वह हो । ५६१५६२ ७११०२ ..... 2. वर्तमान धारित पद २१६१०२५ .....  
वर्तमान वेतन ५३५८० ..... अगली वेतनवृद्धि की तारीख १०.७.२१

3. वर्तमान वेतन ५३५८० ..... अगली वेतनवृद्धि की तारीख १०.७.२१

उस जिले, उप संभाग, तालुका तथा ग्राम का नाम, जिसमें संपत्ति स्थित है।	संपत्ति का नाम तथा व्यौरा		ग्रह तथा अन्य भवन	भूमि	**वर्तमान मूल्य	यदि स्वयं के नाम पर न हो तो बतलाइये कि वह किसके नाम पर धारित है और उसका शासकीय कर्मचारी से क्या संबंध है	उसे किस प्रकार अर्जित किया गया ***खगोद, पट्टा, बंधक, विरासत, भेट आ अन्य किसी प्रकार से तथा अर्जन की तारीख और जिससे अर्जित की गई हो उसका नाम तथा व्यौरा	संपत्ति से वार्षिक आय	अधिष्ठित
(1)	(2)	(3)	(4)	(5)	(6)	(7)	(8)		
जौला	५६१५६२ ८१८	HILL	6 ००२९	५६१५६२ ८१८	५६१५६२ ८१८	५६१५६२ ८१८	८१८		

जहाँ लागू न हो काट दोनिए।

\*\* ऐसे मापदंड में जहाँ मूल्य का सही-सही निर्धारण करना संभव न हो, तबाँ वर्तमान स्थिति के सन्दर्भ में लगभग मूल्य बतलाया जाए।

\*\*\* इसमें अद्यकारीता न पूर्ण भी सम्भित है।

टिप्पणी : मध्यप्रदेश शासकीय सेवक (आचारण) नियम, 1959 के नियम 18(3) के अधीन प्रथम ब्रेणी, द्वितीय ब्रेणी तथा तृतीय ब्रेणी सेवक के प्रत्येक सदस्य से यह अपेक्षित है कि वह सेवा में पहली नियुक्ति के समय और उसके बाद पत्तेक बाहर महीने की अवधि के पश्चात् यह घोषणा पढ़ भर प्रस्तुत करें और उसमें वह उनके स्वामित्व की तथा उनके द्वारा अर्जित अधिकार उसे विरासत में निही या उसके अपने नाम पर या उसके परिवार के किसी सदस्य के नाम पर या किसी अन्य व्यक्ति के नाम पर पूर्ण या संधूक पर उसके द्वारा धारित समस्त अचल सम्पत्ति के ब्यारे हैं।

हस्ताक्षर

नाम

पद

५६१५६२ ८१८

८१८

W. 229 - २४५१) रु ७० -

फ्राम

७३१९४२१३  
८२२)२।

\*प्रथम नियुक्ति के समय अचल सम्पत्ति का विवरण, वर्ष २०

1. अधिकारी/कर्मचारी का (पूरा) नाम तथा उस सेवा का नाम, जिसमें वह हो

२१३०५३ दुल्हन्दुपे

2. वर्तमान धारित पद

६६१

3. वर्तमान वेतन ५०५००/- अगली वेतनवृद्धि की तारीख १-७-२०२२

उस जिले, उप संभाग, तालुका तथा ग्राम का नाम, जिसमें संपत्ति स्थित हो	संपत्ति का नाम तथा व्यौरी	गृह तथा अन्य भवन	भूमि	*वर्तमान मूल्य	यदि स्वर्य के नाम पर न हो तो बतलाइये कि वह किसके नाम पर धारित है और उसका शासकीय कर्मचारी से बया संबंध है	उसे किस प्रकार अर्जित किया गया	संपत्ति से वार्षिक आय	अभियुक्ति
(1)	(2)	(3)	(4)	(5)	(6)	(7)	(8)	
जोधपुर	म११८	NIL	३५०००/-	५००		५००	NIL	

\* जहाँ लागे न हो काट दीजिए।

\*\* ऐसे मालें में जहाँ मूल्य का सही-सही निर्धारण करना संभव न हो, वहाँ वर्तमान विधि के सन्दर्भ में लागणा मूल्य बतलाया जाए।

\*\*\* इसमें अत्यक्तलेन पट्टे भी सम्मिलित हैं।

टिप्पणी : ग्रामपालिका शासकीय सेवक (आवाण) नियम, 1959 के नियम १८(३) के अधीन प्रथम श्रेणी, द्वितीय श्रेणी तथा तीसरी श्रेणी सेवक के प्रत्येक सदस्य से यह अरेक्षित है कि वह देया में पहली नियुक्ति के समय और उसके बाद प्रत्येक बारह महीने की अवधि के पश्चात् यह शोषण-पद भर कर प्राप्त करें और उसमें वह उनके स्थानिकत्व को तया उसके हारा अर्जित आद्या उसे विरसत में पिली या उसके अपने नाम पर या उसके परिवार के किसी सदस्य के नाम पर या किसी अन्य व्यक्ति के नाम पर पट्टे या बंधक एवं उसके हारा धारित समस्त अचल सम्पत्ति के व्यौरे हों।

हस्ताक्षर

ग्राम

पद

२१३०५३ दुल्हन्दुपे  
६६१

W-229-29451) अं. ८८-

७०१९२८  
८/८/१४

## फ्राम

\*प्रथम नियुक्ति के समय अचल सम्पत्ति का विवरण, वर्ष २०

1. अधिकारी/कर्मचारी का (पूरा) नाम तथा उस सेवा का नाम, जिसमें वह हो ... २०१९.८१.११.२१.१०२ ..... 2. वर्तमान धारित पद ... २०१०.०५.१
3. चर्तमान बेतन ... ₹०.२००/- अगली बेतनवृद्धि की तारीख ... १५०८.२०२)

उस जिले, उप संभाग, तालुका तथा ग्राम का नाम, जिसमें संपत्ति स्थित हो	संपत्ति का नाम तथा व्यौरे			*वर्तमान मूल्य	यदि स्वयं के नाम पर न हो तो बताइये कि वह किसके नाम पर धारित है और उसका शासकीय कर्मचारी से क्या संबंध है	उसे किस प्रकार अर्जित किया गया	संपत्ति से वार्षिक आय	अभियुक्ति
(1)	(2)	(3)	(4)	(5)	(6)	(7)	(8)	
					१५०५.			

जहाँ लाग न हो काट दीजिए।

\*\* ऐसे सामने में जहाँ मूल्य का सहो-सही निर्धारण करना संभव न हो, वहाँ वर्तमान स्थिति के सन्दर्भ में लाग गुणवत्ता बताया जाए।

\*\*\* इसमें अल्कालीन पट्टे भी सम्पादित हैं।

टिप्पणी : मध्यप्रदेश शासकीय सेवक (व्यावरण) नियम, 1959 के नियम 18(3) के अधीन प्रथम श्रेणी, द्वितीय श्रेणी तथा तृतीय श्रेणी सेवा के प्रत्येक सदस्य से यह अनेकात्मक है कि वह सेवा में पहली नियुक्ति के समय और उसके बाद प्रत्येक बाहु महीने की अवधि के पश्चात् यह घोषणा पत्र पर कर प्रत्युत करें और उसमें वह उनके स्थानिक की तथा उसके द्वारा अर्जित अध्यवा उसे विराजा में भिजो या उसके अपने नाम पर या उसके परिवार के किसी सदस्य के नाम पर या किसी अन्य व्यक्ति के नाम पर पट्टे या घंडक पर उसके द्वारा धारित समस्त अचल सम्पत्ति के व्यौरे हैं।

हस्ताक्षर

(P)

नाम

२०१९.८.१५

पद

२०१०.०५.१

२०१०.५.१५

अकार्य

\*प्रथम नियुक्ति के समय अचल सम्पत्ति का विवरण, वर्ष २०२।

1. अधिकारी/कर्मचारी का (पूरा) नाम तथा उस सेवा का नाम, जिसमें वह हो ..... हुबी मोटवानी ..... 2. वर्तमान धारित पद ..... संहायक - I  
 3. वर्तमान वेतन ..... 533/- ..... +  
DA ..... अगली वेतनवृद्धि की तारीख जुलाई २०२।

उस जिले, उप संभाग, तालुका तथा ग्राम का नाम, जिसमें संपत्ति स्थित है	संपत्ति का नाम तथा व्यौरी	गृह तथा अन्य भवन	भूमि	**वर्तमान मूल्य	यदि स्वयं के नाम पर न हो तो बालाइये कि वह किसके नाम पर धारित है और उसका शासकीय कर्मचारी से बया संबंध है	उसे किस प्रकार अर्जित किया गया	संपत्ति से वार्षिक आय	अभियुक्ति
(1)	(2)	(3)	(4)	(5)	(6)	(7)	(8)	

जहां लाग न हो काट दीजिए।

\*\* ऐसे मामले में जहां मूल्य का सही-सही निर्धारण करना संभव न हो, वहां वर्तमान सिवायि के समर्थ में लागणा मूल्य बतलाया जाए।

\*\*\* इसमें अत्यकालीन पट्टे भी सम्मिलित हैं।

टिप्पणी : मध्यप्रदेश शासकीय सेवक (व्यावरण) नियम, 1959 के नियम 18(3) के अधीन प्रथम श्रेणी, द्वितीय श्रेणी तथा तृतीय श्रेणी सेवा के प्रत्येक सदस्य से यह अपेक्षित है कि वह सेवा में पहली नियुक्ति के समय और उसके बाद प्रत्येक चारह महीने की अवधि ये पश्चात् यह घोषणा पत्र भर कर प्रस्तुत करें और उसमें वह उन्हें स्वामित्व को तथा उसके द्वारा अर्जित अथवा उसे विरासत में मिली या उसके अपने नाम पर या उसके परिवार के किसी सदस्य के नाम पर या किसी अन्य व्यक्ति के नाम पर पट्टे या बंधकर्ण पर उसके द्वारा धारित समस्ता अचल सम्पत्ति के स्वीकरे हैं।

दस्तावेज़ ..... ११११२।।  
 नाम ..... हुबी मोटवानी  
 पद ..... संहायक - I

कार्म

७ नवम्बर  
२०१२

\*प्रथम नियुक्ति के सम्बन्ध में वर्तमान संपत्ति का विवरण, वर्ष २०

१. अधिकारी/कर्मचारी का (पूरा) नाम तथा उस सेवा का नाम, जिसमें वह है।

श्रीमान् धार्मिक

वर्तमान

श्रीमान् धार्मिक

३. वर्तमान वेतन 5,020/- + D.A. अगली बेतनवृद्धि की तारीख ०१ जूलाइ 2020

२३-१-२०२०

उस जिले, उप संभाग, तालुका तथा प्राप्ति का नाम तथा व्यौरी	संपत्ति का नाम तथा व्यौरी	गृह तथा अन्य भवन	भूमि	*वर्तमान मूल्य	यदि ख्यय के नाम पर न हो तो बतलाइये कि वह किसके नाम पर धारित है और उसका शासकीय कर्मचारी से क्या संबंध है	उसे किस प्रकार अर्जित किया गया	संपत्ति से वार्धक आय	अभियुक्ति
(1)	(2)	(3)	(4)	(5)	(6)	(7)	(8)	
लिपाना न०१२	१५	७५	२०००	२०००	२०००	२०००	२०००	२०००
सूर्य घर कालोनी न००५१२	१५	७५	२०००	२०००	२०००	२०००	२०००	२०००

\* जहां सामून हो काट दीजिए।

\*\* ऐसे भागों में जहां मूल्य का सही-सही निर्धारण करना संभव न हो, वहां वर्तमान स्थिति के सन्दर्भ में सामग्र भूमि बतलाया जाए।

\*\*\* इसमें अल्पकलीन पट्टे भी सम्मिलित हैं।

टिप्पणी : प्रधानमंत्री शासकीय सेवक (आचरण) नियम, 1959 के नियम 18(3) के अधीन प्रथम श्रेणी, द्वितीय श्रेणी तथा तृतीय श्रेणी सेवा के प्रत्येक सदस्य से यह अनेकांश है कि वह सेवा में पहली नियुक्ति के समय और उसके बाद प्रत्येक बाहु महोने की अवधि के प्रत्यान् यह धोषणा पत्र भर कर प्रस्तुत करें और उसमें वह उनके स्वामित्व को तथा उसके द्वारा अर्जित अधिकार उसे विराजमान में गिली या उसके अपने नाम पर या उसके परिवार के किसी सदस्य के नाम पर या किसी अन्य व्यक्ति के नाम पर रखें या बंधकां पर उसके द्वारा धारित समस्त अचल संपत्ति के बतौर हैं।

हस्ताक्षर

माना गया

नाम

माना गया

पद

माना गया

W. 229 - २०५१२ ज्ञ. ७०० -

प्रार्थी

## \*प्रधाम नियुक्ति के समय अवल सम्पत्ति का विवरण, वर्ष २०

9/12/11  
82K1211. अधिकारी/कर्मचारी का (पूरा) नाम तथा उस सेवा का नाम, जिसमें वह हो ~~मार्टपंड फॉर्म्स~~2. वर्तमान धारित पद ~~ट्रैक्टर~~

3. वर्तमान वेतन

अगली वेतनवृद्धि की तरीख

नियमित वेतन

उस जिले, उप संभाग, तालुका तथा ग्राम का नाम, जिसमें संपत्ति स्थित हो	संपत्ति का नाम तथा और	गृह तथा अन्य भवन	भूमि	**वर्तमान मूल्य	यदि स्वयं के नाम पर न हो तो बतलाइये कि वह किसके नाम पर धारित है और उसका शासकीय कर्मचारी से क्या संबंध है	उसे किस प्रकार अंजित किया गया	संपत्ति से वार्षिक आय	अभियुक्ति
(1)	(2)	(3)	(4)	(5)	(6)	(7)	(8)	
					Nil			

जहाँ लागू न हो काट दीजिए।

\*\* ऐसे मामले में जहाँ मूल्य का सही-सही निधारण करना संभव न हो, वहाँ वर्तमान स्थिति के सन्दर्भ में लागू मूल्य बतलाया जाए।

\*\*\* इसमें अल्पकालीन पर्टे भी सम्मिलित हैं।

टिप्पणी : मध्यप्रदेश शासकीय सेवक (आवाल) नियम, 1959 के नियम 18(3) के अधीन प्रधाम श्रेणी, द्वितीय श्रेणी तथा तीसरी श्रेणी सेवक के प्रत्येक सदस्य से यह अनेकात्मक है कि वह सेवा में पहली नियुक्ति के समय और उसके बाद प्रत्येक बाहु महीने को अवधि के परिवार में घोषणा पर भर कर अंतुत करें और उसमें वह उनके स्वामित्व की तथा उसके द्वारा अंजित अधिकार उसे पिरामिट में फिलो या उसके अपने नाम पर या उसके परिवार के किसी सदस्य के नाम पर या किसी अन्य व्यक्ति के नाम पर पट्टे या बंधक पर उसके द्वारा धारित समस्त अवल सम्पत्ति के बीच हैं।

हस्ताक्षर

नाम मार्टपंड फॉर्म्सपद ट्रैक्टर

W-229-29441 और 707-

१० न९२१  
८१२।

## कार्य

## प्रथम नियुक्ति के समय अद्वल सम्पत्ति का विवरण, वर्ष २०

१. अधिकारी/कर्मचारी का (पूरा) नाम तथा उस सेवा का नाम, जिसमें वह हो १५१८ न९२१ राज्य कुरुक्षेत्र पर्वत २. वर्तमान धारित पद संक्ष. ईड २  
३. वर्तमान वेतन ५०२००/- अगली वेतनवृद्धि की तारीख १०.६.२०२१

उस जिले, उप संभाग, तालुका तथा ग्राम का नाम, जिसमें संपत्ति स्थित हो	संपत्ति का नाम तथा व्यौरी	गृह तथा अन्य भवन	भूमि	*वर्तमान मूल्य	यदि स्वयं के नाम पर न हो तो बहलाइये कि वह किसके नाम पर धारित है और उसका शासकीय कर्मचारी से व्या संबंध है	उसे किस प्रकार अंजित किया गया **खण्ड, पट्टा, बघक, विरासत, भेट या अन्य किसी प्रकार से तथा अंजन की तारीख और जिससे अंजित की गई हो उसका नाम तथा व्यौरा	संपत्ति से वार्षिक आय	अभियुक्ति
(1)	(2)	(3)	(4)	(5)	(6)	(7)	(8)	
मोपाल	NIL	NIL	-	-	पति के नाम झुल मवार जिले पति पति दोनों की आप व पेटुल सम्पति वे अंजित दोनों द्वारा वर्ष २००/- द्वारा वर्ष २००/-	प्लाट रखरी १९८ बगारा ग्राम या वर्ष २००/-	NIL	NIL

जहां लागू न हो काट दीजिए।

\*\* ऐसे मामले में जहां मूल्य का सही-सही निर्धारण करना सभव न हो, वहां वर्तमान विधिति के सन्दर्भ में लाग्या मूल्य बहलाया जाए।

\*\*\* इसमें अल्पकालीन पट्टे भी सम्मिलित हैं।

टिप्पणी : मध्यरेशा शासकीय सेवक (आचरण) विधम, 1959 के नियम 18(3) के अधीन प्रथम श्रेणी, द्वितीय श्रेणी तथा तृतीय श्रेणी सेवा के प्रत्येक सदस्य से यह अंजित है कि वह येवा में पहली नियुक्ति के समय और उसके बाद प्रत्येक बाहु महीने की अवधि के पश्चात् यह घोषणा पत्र भर कर प्रकृत करें और उसमें वह उनके स्वास्थ्य को तथा उसके द्वारा अंजित अथवा उसे विरासत में मिली या उसके अपने नाम पर या उसके परिवार के किसी सदस्य के नाम पर या किसी अन्य जिक्रिया के नाम पर पट्टे या बंधक पर उसके द्वारा धारित समस्त अद्वल सम्पत्ति के व्यौरे हैं।

हस्ताक्षर

१०.६.२०२१  
नाम १५१८ न९२१ राज्य कुरुक्षेत्र पर्वत  
पद संक्ष. ईड २

W. 229 - २०५१ अ ७८ -

फार्म

प्रथम नियुक्ति के समय अचल सम्पत्ति का विवरण, वर्ष २०२१

७३/११२२/८  
२२/२।

१. अधिकारी/कर्मचारी का (पूरा) नाम तथा उस सेवा का नाम, जिसमें वह हो लिखिए - श्रीमति रामदेवा कुमार (उचित नहीं लिखें) २. वर्तमान धारित पद अधिकारी (उचित नहीं लिखें)
३. वर्तमान वेतन. ₹५,३३३/-। अगली वेतनवृद्धि की तारीख ... १५.१२.२०२१ ...

उस जिले, उप संभाग, तालुका तथा ग्राम का नाम, जिसमें संपत्ति स्थित हो	संपत्ति का नाम तथा व्यौरे		वर्तमान मूल्य	यदि स्वयं के नाम पर न हो तो बतलाइये कि वह किसके नाम पर धारित है और उसका शासकीय कर्मचारी से क्या संबंध है	उसे किस प्रकार अंजित किया गया	संपत्ति से वार्षिक आय	अभियुक्ति
(1)	(2)	(3)	(4)	(5)	(6)	(7)	(8)
आ॒ल॑	छोट॑ दृ॒२५ १६X१८(कृ) जो तंक पुँडी १५२५ ३१२५।	-	लॉकर ६लॉक	श्री के पांते कलाकृष्ण ठेकुप्रकृति १५२५ ३१२५।	राहिरु भासु ००।	NIL	NIL

जहां लागू न हो काट दीजिए।

\*\* ऐसे मामले में जहां मूल्य का सही-सही निर्धारण करना संभव न हो, वहां वर्तमान स्थिति के सन्दर्भ में लगभग मूल्य बतलाया जाए।

\*\*\* इसमें अल्पकालीन पढ़ते भी सम्मिलित हैं।

टिप्पणी : मध्यप्रदेश शासकीय सेवक (व्याचरण) नियम, 1959 के नियम 18(3) के अधीन प्रथम श्रेणी, द्वितीय श्रेणी तथा तृतीय श्रेणी सेवा के प्रत्येक सदस्य से यह अपेक्षित है कि वह सेवा में पहली नियुक्ति के समय और उसके बाद प्रत्येक बारह महीने की अवधि के पश्चात् यह घोषणा पत्र भर कर प्रस्तुत करें और उसमें वह उनके स्वतंत्रता को तथा उसके द्वारा अंजित अधिकार उसे विवरित में निलौ या उसके अपने नाम पर या उसके परिवार के किसी सदस्य के नाम पर या किसी अन्य लाभित के नाम पर पढ़ते या बंधन पर उसके द्वारा धारित समस्त अचल सम्पत्ति के व्यौरे हैं।

हस्ताक्षर

नाम श्रीमति कामिनी कुरुक्षेत्र-  
पद अधिकारी

W-229-१५५१ तो ७००-

५७/१२८  
G D Forms (W) 1

फार्म

\*प्रथम नियुक्ति के सभ्य अचल सम्पत्ति का विवरण, खर्च २०

1. अधिकारी/कर्मचारी का (पूरा) नाम तथा उस सेवा का नाम, जिसमें वह हो ..... मुमुक्षु शाम उद्धव ..... 2. वर्तमान पद ..... कर्मचारी अधिकारी ..... ३५.०५
2. वर्तमान वेतन ..... 40800 ..... आलों वेतनबृद्धि की तारीख ..... ०३.०३.२०२१

उस जिले, उप भूभाग, तालुका तथा ग्राम का नाम तथा घटीर संपत्ति स्थित है।	संपत्ति का नाम तथा घटीर ग्रह तथा अन्य भवन	भूमि	*वर्तमान मूल्य	यदि स्वयं के नाम पर न हो तो उसलाइये कि वह किसके नाम पर पारित है और उसका शासकीय कर्मचारी से बया संबंध है	उसे किस प्रकार अंजित किया गया ***खोद, पट्टा, बंधक, विरापत, भेट गा अन्य किसी प्रकार से तथा अर्जन की तारीख और जिससे अंजित की गई हो उसका नाम तथा घोटा	संपत्ति से वार्षिक आय	अधि पुस्ति
(1)	(2)	(3)	(4)	(5)	(6)	(7)	(8)
<u>भक्तपुर गढ़</u>	<u>वडे</u>	—	<u>२१८२१२</u> लाख रुपये का नाम	<u>वर्ष २०१० में</u> <u>बैंक लोन लाभ</u> <u>१३२ रुपये विनाश</u> , <u>विनाश का बहुत है।</u>	—	—	—

जहाँ शाम न हो काट दीजिए।

ऐसे भागों में जहाँ मूल्य का सहो-सहो निर्धारण करता संभव न हो, वह वर्तमान स्थिति के सन्दर्भ में लाभग्रह मूल्य बदलता हो जाए।

इसमें अल्पकारीन पट्टे भी सम्भित हैं।

दिप्तिः भग्नारेण शासकीय सेवक (आदरण) विषय, 1959 के नियम 18(3) के अनीन प्रथम क्षेत्री, द्वितीय क्षेत्रों तथा तृतीय क्षेत्रों के प्रथेक राजस्व से यह अपेक्षित है कि उन सेवा में पहली नियुक्ति के समय और उसके अद्य प्रत्येक बारह महीने की अवधि के पश्चात् यह धोवणा एवं भर का प्रयुक्ति की ओर उसमें वह उनके स्वयंपत्ति का तथा उसके द्वारा अंजित अवश्य उसे विरापत में विली या उसके अपने नाम पर या उसके परिवार के किसी शादी के नाम पर या किसी अन्य लाभित के नाम पर पर्टें या बेपत्ते पर उसके द्वारा धारीत समय अचल सम्पत्ति के लिये है।

इताक्षर ..... २०.०३.२०२१

सम ..... २०२१मा उद्धव

पद ..... कर्मचारी अधिकारी ..... ३५.०५

(W. 229 - २ पार्टन) ऑ. ८०० -

## प्रार्थ

प्रथम नियुक्ति के समव अबल सम्पत्ति का दिवरण, सर्व २०

१. अधिकारी/कर्मचारी का (भरा) नाम तथा उस सेवा का नाम, जिसमें वह हो—पुष्टाशन चंद्र पट्टी २. वर्तमान पारित पद  
ठहा-५५-१३. वर्तमान बेतन... ५१३४००/- अगली बेतनवृद्धि की तारीख... १-७-२०२१

उस जिले, उप सभाग, तालुका तथा ग्राम वा नाम, जिसमें संपत्ति स्थित हो	संपत्ति का नाम तथा स्थान	ग्रह तथा अन्य भवन	भूमि	वर्तमान मूल्य	यदि भवय के नाम पर न हो तो बताइये कि वह किसके नाम पर पारित है और उसका शासकीय कर्मचारी से बया संबंध है	उसे किस प्रकार अंजित किया गया ••• खोद, पट्टा, बघक, विरासत, भेट गा अन्य किसी प्रकार से तथा अर्जन की तारीख और जिससे अंजित की गई हो उसका नाम तथा स्थान	संपत्ति से वार्षिक आय	अभि युक्ति
(1)	(2)	(3)	(4)	(5)	(6)	(7)	(8)	
	निरं	निरं	निरं	निरं	निरं	निरं	निरं	निरं

जहां ताक न हो काट दीजिए।

ऐसे प्राप्त हो जहां मूल्य का सहो-सही विपर्यास करता संभव न हो, भावा वर्तमान स्थिति के सन्दर्भ में साधारण मूल्य बदलना जाए।

इसमें अल्पालीन पट्टे भी सम्मिलित हैं।

टिप्पणी: पर्याप्त शासकीय सेवक (आदरण) नियम, 1959 के नियम ३८(३) के अधीन प्रथम लेणी, द्वितीय लेणी तथा तृतीय लेणी सेवक के प्रत्येक राजदेश से यह  
अंजित है कि वह दोनों में पहली नियुक्ति के समाप्त और उसके बाद प्रथम बाहु यहाँने की अवधि के पश्चात् यह घोषणा पत्र भर का प्रत्युत करौ और  
उसमें वह उनके स्वाधित्व को तथा उसके द्वारा अंजित अथवा उस प्रियासत में स्थिती या उसके उपरे जाग पर या उसके वरिष्ठों के लिये राजदेश के नाम  
पर या किसी अन्य लाइन के नाम पर ऐसे घोषणा पत्र उसके द्वारा पारित समस्त अबल सम्पत्ति के लिये है।

इत्याधर

नम

पद

पुष्टाशन चंद्र पट्टी  
ठहा-५५-१ ८५८०५४ वर्षील  
मा लिंगल चौल्हा

W. 229 - २ प्राप्ति अंग - ७०८ -

C.G. Form No. 1  
५१८८२८८२८

क्रांति

‘प्रधाप नियुक्ति के समय अंदर राष्ट्रसेवा का दाय विस्तै था हो’ .. ‘उभारिया’ ..

1. अंतर्कालीन अवधि का (ए) एवं उसमें सेवा का दाय विस्तै था हो .. ‘उभारिया’ .. 2. अंतर्कालीन अवधि का (ब) एवं उसमें सेवा का दाय विस्तै था हो .. ‘शहरांगे’ ..

3. अंतर्कालीन देतां रु. 120.00/- आवाजी में बदलकर भेज दी गयी थी .. अंतर्कालीन देतां रु. 120.00/-

इस विस्तै दाय अवधि का नाम होता थी। इस विस्तै दाय विस्तै अवधि के बाहर हो।	सेवावाल का नाम होता थी।		परिभ्रष्ट के नाम पर न हो तो अवधि के किसके नाम पर हो चुका हो ली। उसका राष्ट्रसेवा कर्तव्य उपर्याहे से बदल सकता है।	इस विस्तै दाय अवधि का नाम होता थी। “शहरांगे” एवं “उभारिया” एवं “प्रधाप नियुक्ति” के बाहर इसका नाम अवधि की गई हो उसका नाम होता थी।	सेवावाल से विविध अवधि	अपि दृष्टि	
(1)	(2)	(3)	(4)	(5)	(6)	(7)	(8)
शिवनी		भूमि	560000--	राज्यांकी वयत PF लोन डारा			
जोवलंपुर	महान		800000--	राज्यांकी वयत PF लोन देव गोवड लोन डारा			

‘राज्यांकी वयत’

“दो वर्षों में बढ़ा रुपय का शम्भू-कारी विवरण करना सकता है, यह वर्तमान विवरण के घटना में सामान रुपय रखता रहता।

“राज्यांकी वयत” का बढ़ा रुपय का विवरण होता है।

विवरण : वर्तमान वर्तमान विवरण (घटना) विवरण, 1955 के विषय 18(3) के अनुरूप देखें, विवरण देखें तथा एक ऐसी विवरण के विवरण वर्तमान में यह अवधि हो रही है तथा इसके बाहर इसके बाहर यह भारतीय राष्ट्रसेवा की अवधि हो रही है तथा इसके बाहर यह भारतीय राष्ट्रसेवा की अवधि हो रही है। इसके बाहर यह भारतीय राष्ट्रसेवा की अवधि हो रही है। इसके बाहर यह भारतीय राष्ट्रसेवा की अवधि हो रही है।

राज्यांकी वयत

“उभारिया उभारिया”

“शहरांगे शहरांगे”

## फार्म

प्रथम नियुक्ति के समय अबल सम्पत्ति का विवरण, वर्ष २०

१. अधिकारी/कर्मचारी का (पूरा) नाम तथा उस सेवा का नाम, जिसमें वह हो : मारुती पटेल तिवारी

२. वर्तमान पारिदंशद २५.१०.२०२१

३. वर्तमान वेतन ५०.२.०० अगलो बेतनवृद्धि की तारीख ०५.०२.२०२१

उप जिले, उप सभाग, तालुका तथा ग्राम वा नाम, जिसमें संपत्ति स्थित है।	संपत्ति का नाम तथा व्यापे	ग्रह तथा अन्य भवन	भूमि	*वर्तमान मूल्य	यदि स्वयं के नाम पर न हो तो भतलाइये कि वह किसके नाम पर आरित है और उसका शासकीय कर्मचारी से बया संबंध है	उसे किस प्रकार अंजित किया गया	संपत्ति से वार्षिक आय	अभि युक्ति
(1)	(2)	(3)	(4)	(5)	(6)	(7)	(8)	
① अंडेकर नगर गावलपुर	निरंक	30x54	25,50,000/-	Smt. (जनी तिवारी) दि. ३१-१०-२०१९ पत्नी को निश्चित रूप अपीली न्यायालय से प्राप्तावेत है। भद्रि. १७-१२-२०१३ में अम रुप २०१५ में भूमि LIC से होमलोन पर मवान निर्माण किया गया है।	निरंक	LIC से भूमि प्राप्त होने के आरोत मिलन निभाया गया		
② मैधी नगर महाराजा गावलपुर	मवान निर्माण	20x50	45,00,000/-	स्वयं के लाल भद्रि. १७-१२-२०१३ में अम रुप २०१५ में भूमि LIC से होमलोन पर मवान निर्माण किया गया है।				

जहां शाय न हो काट दीजिए।

ऐसे मामले में जहां मूल्य या सही-सही निर्धारण करना संभव न हो, वहां वर्तमान मिथ्यति के सन्दर्भ में लगभग मूल्य भतलाया जाए।

इसमें अल्पकालीन पट्टे भी सम्मिलित हैं।

टिप्पणी: मध्यसंदर्भ शासकीय सेवक (आवारण) विधम, 1959 के नियम १८(३) के अधीन प्रत्येक वेणी, द्वितीय वेणी वा हाथ द्वारा वेणी सेवा के प्रत्येक दादस्य से यह अपेक्षित है कि उन सेवा में पहसु नियुक्ति के समय और उसके भाव प्रत्येक वाह मर्हने की भविष्यत के परवात यह भौवान-पत्र आ का प्रत्युत को ओर उसमें वह उनके स्वाक्षरता को देखा उसके द्वारा अंजित अपना दो विवास में दिली या उसके अपने जाम पर या उसके परिवार के किसी दादस्य के जाम पर या किसी अन्य लालित के जाम पर भट्टे या संबंधी पर उसके द्वारा आरित समस्त अबल सम्पत्ति के स्वारी हैं।

इत्ताकर ...

नम. १०५-८८५

पद ASST - I

से. व्यापी, मा. श्री, सै. मिष्यु. गवलपुर

दि. २०-१-२०२१

फ्राम

प्रथम नियुक्ति के समय अचल संघरण का विवरण, वर्ष २०२१

७०८/१२६  
८०८/१२५

१. अधिकारी/कर्मचारी का (पूरा) नाम तथा उस सेवा का नाम, जिसमें वह हो **श्रीमती उग्रली देसाई** २. वर्तमान पारिवहन **स्टाइल ग्रेड I**
३. वर्तमान वेतन **₹ 17,00/-** अगली वेतनवृद्धि की तारीख **जुलाई २०२२, द्युलाई २०२१**

उप जिले, उप संभाग, तालुका तथा ग्राम का नाम जिसमें संघरण स्थित हो	संघरण का नाम तथा व्यापे	ग्राह तथा अन्य भवन	भूमि	*वर्तमान मूल्य	यह स्वयं के नाम पर न हो हो बतलाइये कि वह किसके नाम पर पारित है और उसका शासकीय कर्मचारी से बहा संबंध है	उसे किस प्रकार अवित्त किया गया ***खोद, पट्टा, बंधक, विरासत, भेट आ अन्य किसी प्रकार से तथा अर्जन की तारीख और जिससे अवित्त की गई हो उसका नाम तथा व्यापे	संघरण से वार्षिक आय	अभी प्रक्रिया
(1)	(2)	(3)	(4)	(5)	(6)	(7)	(8)	
① रवालियर जिला रवालियर	अलवासीय ग्राम (1120 एकड़ियर)	Nil	31,00,000	स्मिक्कलामसे लिगमग (कुनौसालय) श्री उग्रली देसाई	क्या किया गया वर्ष 2003 में (दिसेंबर 2003)	Nil		
② भोपाल जिला भोपाल	—/— (1400 एकड़ियर)	Nil	20,00,000	—/— लिगमग (कुनौसालय)	ग्राम लिमानिक्या	Nil		

जहां लाग न हो काट दीजिए।

\*\* ऐसे मामले में जाता सूत्र यह नहीं-सही विधिरिण कला संभव न हो, भावों बहेमत स्थिति के सन्दर्भ में सामग्रा मूल्य बतलाया जाए।

\*\*\* इसधैं अल्पकालीन पट्टे भी सम्भवित हैं।

टिप्पणी : पर्याप्तदेश शासनीय भेटक (आदरण) नियम, 1959 के नियम 18(3) के अधीन प्रथम लेणी, द्वितीय लेणी तथा तृतीय लेणी भेटक के प्रत्येक तदन्त से पहले अपेक्षित है कि भाउ भैया में पहली नियुक्ति के समय और उसके भाद्र प्रथमेक बाहु भर्तीने की अवधि के पश्चात् यह घोषणा-भर कर प्रस्तुत करें और उसमें वह उन्हें स्थानित कर भया उसके द्वारा अवित्त अवश्य वर्ते विरासत में भिलो या उसके अपने नाम पर या उड़के परिवार के लिये सदस्य के नाम पर या किसी अन्य व्यक्ति के नाम पर भर्ते या भेटक या उसके द्वारा अवित्त समस्त अचल संपत्ति के लिये दें।

इसाधर ..... ३१/१२६  
वर्ष २०२१नाम **श्रीमती उग्रली देसाई**पद **स्टाइल ग्रेड I**

संभानीय कायविय, रवालियर

(U. 7.29 - २०५५) रु. १००/-

फार्म

प्रथम नियुक्ति के समय अवल सम्पत्ति का विवरण, वर्ष २०

११ नवंबर  
११/११/११

१. अधिकारी/कर्मचारी का (पूरा) नाम तथा उस सेवा का नाम, जिसमें वह हो : विनीत कुमार ठाणीभिंची २. वर्तमान धरित पद : सांदर्भ ३-१  
 ३. वर्तमान वेतन ५५,९००/- आगामी वेतनवृद्धि की तारीख ०१.७.२१.....

उस जिले, उप संचारा, तालुका तथा ग्राम का नाम, जिसमें संपत्ति स्थित हो	संपत्ति का नाम तथा व्यौरी	गृह तथा अन्य भवन	भूमि	*वर्तमान मूल्य	यदि स्वयं के नाम पर न हो तो जलताइये कि वह किसके नाम पर भारित है और उसका शासकीय कर्मचारी से क्या संबंध है	उसे किस प्रकार अंजित किया गया ***खोद, पट्टा, बघक, विरासत, भेट या अन्य किसी प्रकार से तथा अर्द्ध की तारीख और जिससे अंजित की गई हो उसका नाम तथा व्यौरा	संपत्ति से वार्षिक आय	अभियुक्ति
(1)	(2)	(3)	(4)	(5)	(6)	(7)	(8)	
जललूपुर	धार	—	—	५०,००,०००/-	२१ वर्ष २२ वर्ष पर्णी के नाम	३० लोन पाटिल्लै पिता श्री शोलानिहृष्टि श्री प्राप्त राशि	१,५५,०००/- (किराया)	
लालोधाट	—	भूमि के/ लालोधाट - २	भूमि के/ लालोधाट - २	२०,००,०००/-	२२ वर्ष	पर्सनिल लोन २२ वर्ष २२ वर्ष श्री वचत श्री	—	
ग्राम - भारती (भोपाल)	—	भूमि के/ लालोधाट - १	भूमि के/ लालोधाट - १	१५,००,०००/-	पर्णी के नाम	बचत रख यारेवाक श्री प्राप्त राशि	—	

\* जहाँ लागू न हो खाट दीजिए।

\*\* ऐसे मायने में जहाँ मूल्य का सही-सही निर्धारण करना संभव न हो, वहाँ वर्तमान स्थिति के सन्दर्भ में लगभग मूल्य जलताया जाए।

\*\*\* इसमें अल्पकालीन पट्टे भी सम्मिलित हैं।

टिप्पणी : यथाप्रदेश शासकीय सेवक (आचरण) नियम, 1959 के नियम 18(3) के अधीन प्रथम श्रेणी, द्वितीय श्रेणी तथा तृतीय श्रेणी सेवक के प्रत्येक वर्द्धम से यह अंजित है कि वह सेवा में पहली नियुक्ति के समय और उसके बाद प्रत्येक बारह महीने की अवधि के पश्चात् यह घोषणा-एवं भर कर प्रत्युत करें और उसमें वह उसके स्वरूप की तथा उसके द्वारा अंजित अवधि उसे विरासत में मिली या उसके अपने नाम पर या उसके परिवार के किसी गदस्य के नाम पर या किसी अन्य व्यक्ति के नाम पर पट्टे या बंधक एवं उसके द्वारा धरित समस्त अवल सम्पत्ति के ब्लौरे हैं।

हस्ताक्षर

पा० विनीत कुमार ठाणीभिंची

पा० जाई ३५-१